

पाठ – 8

कारतूस ( एकांकी )

लेखक – हबीब तनवीर

---

# ● हिंदी विषय

---

- 1• नाटक और एकांकी के अंतर को पाठ के माध्यम से समझाने में सक्षम होना।
- 2• हबीब तनवीर की एकांकी के माध्यम से भारतीय बहादुर वजीर अली के साहसी भाव से सभी को परिचित करवाना ।
- 3• विद्यार्थियों में देश प्रेम की भावना को जागृत करना।
- 4• देशभक्ति की भावना से ओतप्रोत होकर देश के प्रति अपने कर्तव्य को समझने में सहायक होना।

# ● सामाजिक विज्ञान

---

1•स्वतंत्रता आंदोलन के समय होने वाली सामाजिक समस्याओं के बारे में लोगों को जागरूक करवाना।

2•बक्सर 1857 प्लासी की लड़ाई 1757 भारतीय स्वतंत्रता संग्राम की प्रथम लड़ाई के बारे में बताना।

3•इस पाठ को इतिहास के साथ जोड़ते हुए हमें इतिहास में की जाने वाली गलतियों को दोबारा न दोहराने का सबक लेना और देशभक्ति की भावना को बढ़ाना।

# ● गणित

---

अंग्रेज भारत में 1600 में आए थे ।

हमारा देश 1947 में आजाद हुआ ।

इस बीच बक्सर की 1854

प्लासी की 1757

$1854 - 1757 = 97$  साल अंग्रेजों ने हमारे भारत पर राज्य किया।

**→ भारत की आज़ादी 1947 में हुई थी ।**

# ● कला और विज्ञान

---

अन्य भाषाओं में और शब्दोत्पत्ति संपादित करें

'कारतूस' को अंग्रेजी में 'कारट्रिज' (कार्ट्रिज)

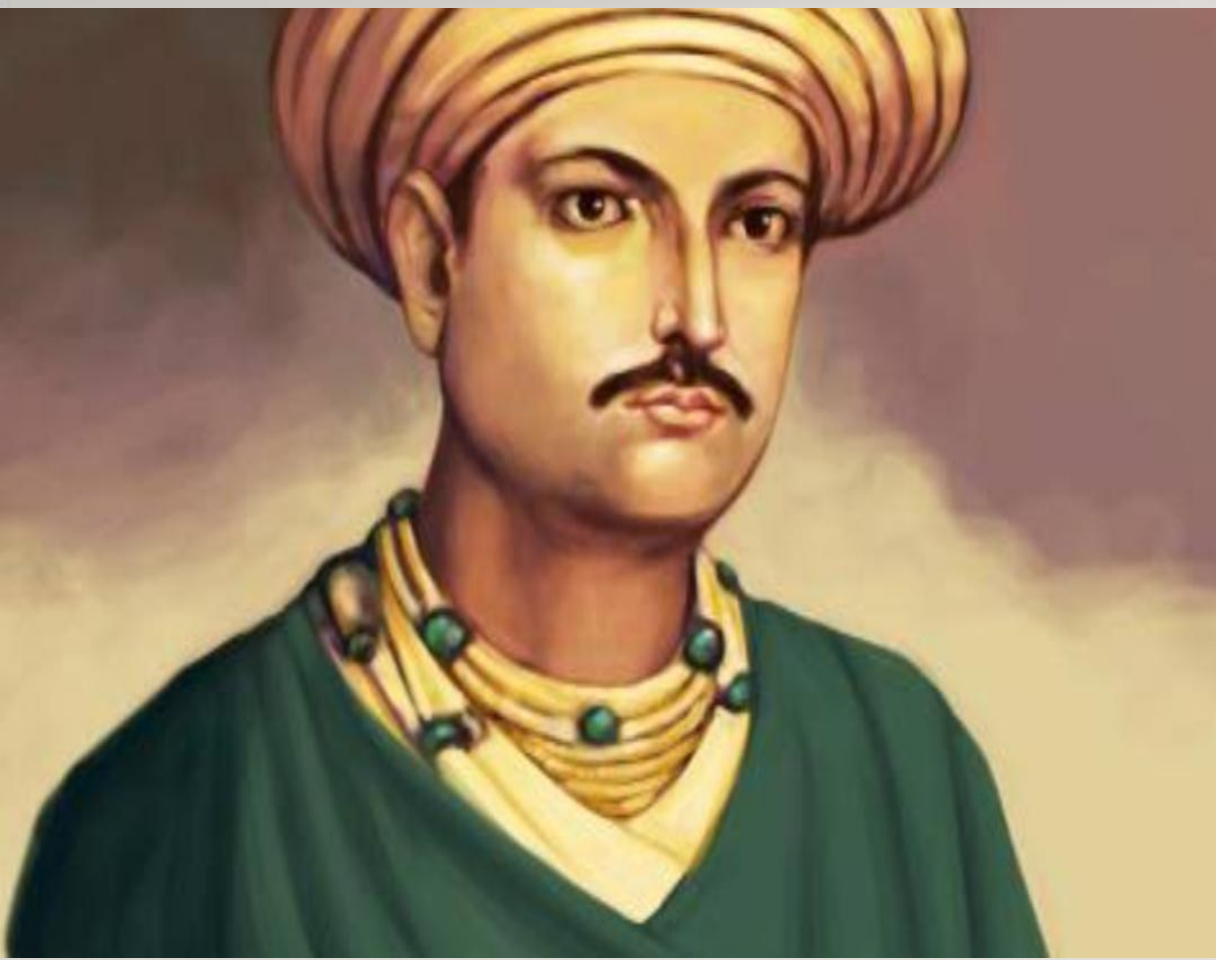
□  
फ्रांसीसी में 'एतुइ' (एतुइ)

□  
□ पुर्तगाली में 'कारतूचो' (कारतूचो)

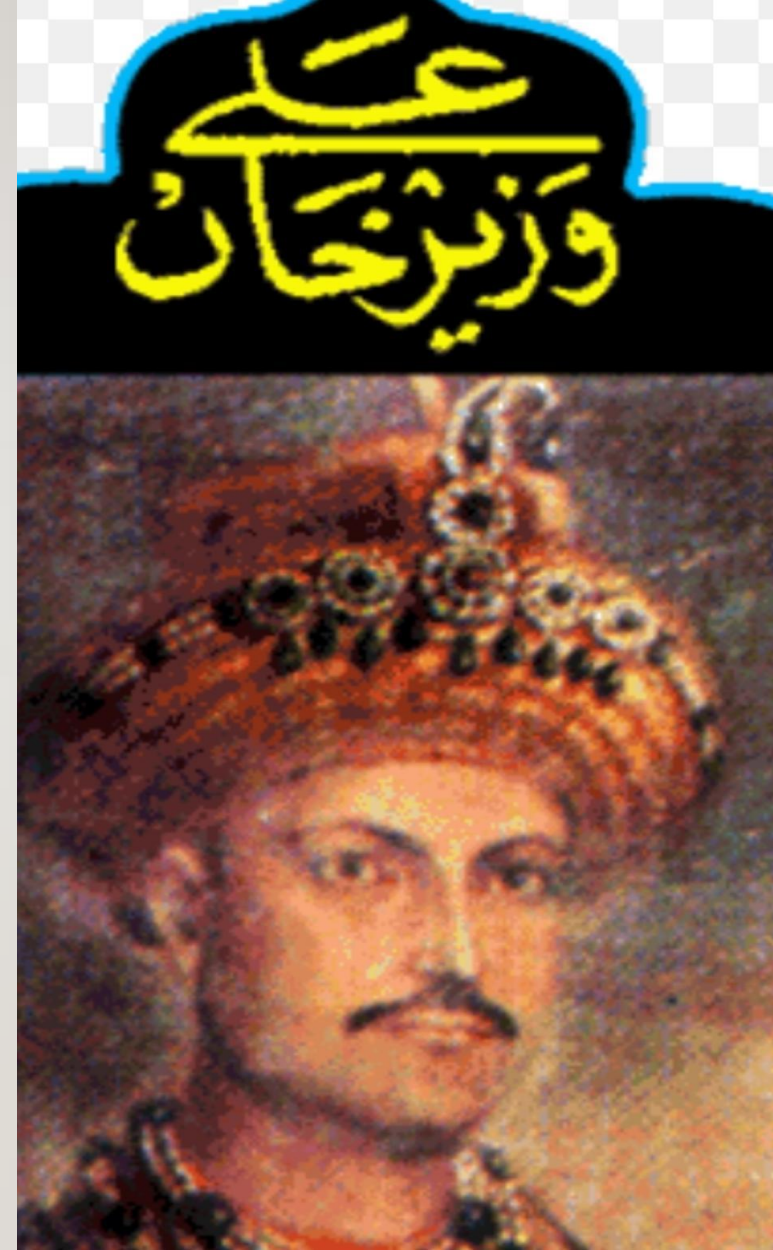
□  
फ़ारसी में 'फ़िशंग' (फ़िशंग) (कहा जाता है।)

→ फ़्रांसीसी में इसे 'कारतूश' (कारतूश) भी कहा जाता था।

→ यही शब्द परिवर्तित होकर हिन्दी, उर्दू व अन्य भारतीय उपमहाद्वीप की भाषाओं में आया है।



वज़ीर अली





कारतूस



## विज्ञान

युद्ध नीति वैज्ञानिक तरीके से बनाना है :

1. घेरा डालना
2. समझ या सूझबूझका प्रयोग करते हुए योजनाएँ बनाना ।
3. चक्रव्यूह की रचना



## ● अंग्रेजी

---

1. **कर्नल** □ **ब्रिगेडियर** और जनरल ऑफिसर रैंक के नीचे एक वरिष्ठ सैन्य अधिकारी रैंक है। हालांकि, कुछ छोटे सैन्य बलों में, जैसे कि **मोनाको** या वेटिकन में कर्नल सर्वोच्च रैंक है। इसका उपयोग कुछ पुलिस बलों और अर्धसैनिक संगठनों में भी किया जाता है।

---

## 2. लेफ्टिनेंट:

ट्रेन स्टार्टिंग पोस्ट होते आर्मी के अंदर जो आर्मी है उसके अंदर में स्टार्टिंग की जो ऑफिसर पोस्ट होती है उसको लेफ्टिनेंट कहते हैं

---

**3. कारतूस:** कारतूस किसी बंदूक, पिस्तौल या अन्य हथियार में डाली जाने वाली ऐसी वास्तु को कहते हैं जिसमें किसी धातु, प्लास्टिक या कागज़ के खोल में गोली और उसे धमाके के साथ तेज़ गति पर चला देने वाला पदार्थ हो।

हथियार चलाने पर ट्रिगर की चोट से चालाक पदार्थ में धमाका होता है जिस से वह तेज़ी से गोली नली से बाहर फेंकता है।

---

→ मैंने यह कार्य अपनी हिंदी विषय की  
अध्यापिका की सहायता से पूर्ण किया है ॥००००

---

**प्रस्तुत कर्ता: प्रवजीत कौर**

**कक्षा: दसवीं**

**दिनांक: 3.11.2020**

**प्राप्त कर्ता : श्रीमती रजनी कपूर**